महाकालेश्वर, औंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन उज्जैन, नर्मदा नदी दर्शन

यात्रा समयः 05 दिन

यात्रा प्रस्थानः 11 अप्रैल, 19 अप्रैल, 25 जुलाई, 12 सितम्बर 2026

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	<u>**दिल्ली/जयपुर/कोटा/जोधपुर**</u> रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होती है, जहाँ से यात्री देर रात में रेल द्वारा उज्जैन/इंदौर के लिए प्रस्थान करते हैं। यह पहला दिन यात्रा का आरंभिक चरण होता है, जिसमें रात्रि की यात्रा ट्रेन में ही पूर्ण होती है।
दूसरा दिन	<u>**उज्जैन/इंदौर**</u> आगमन व ओंकारेश्वर हेतु प्रस्थान (रात्रि विश्राम ओंकारेश्वर)।
तीसरा दिन	<u>**ओंकारेश्वर**</u> आगमन, पवित्र प्रवाहमान नर्मदा नदी स्नान, **ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन** एवं **ममलेश्वर महादेव दर्शन** पश्चात दोपहर भोजन पश्चात उज्जैन हेतु प्रस्थान (रात्रि विश्राम उज्जैन)।
चौथा दिन	<u>**उज्जैन**</u> प्रातः आगमन उसके बाद **मां क्षिप्रा नदी स्नान, राजा विक्रमादित्य की आराध्य देवी माता हरसिद्धि (शक्तिपीठ)** के दर्शन, **बड़ा गणेश मंदिर** दर्शन एवं विश्वप्रसिद्ध बाबा **महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग** के दर्शन, बाबा महाकाल के सेनापति **काल भैरव** (मदिरा पान) दुर्लभ दर्शन, मंगलग्रह के देवता मंगलनाथ के दर्शन, भगवान कृष्ण-सुदामा की शिक्षा स्थली गुरु **सांदीपनी आश्रम दर्शन**, (स्थानिय इको/मैजिक द्वारा) सायं उज्जैन रेलवे स्टेशन से दिल्ली/जयपुर/कोटा के लिए प्रस्थान किया जाता है।
पांचवा दिन	<u>**दिल्ली/जयपुर/कोटा**</u> प्रातः अपने गंतव्यों पहुचेंगे ओर इस प्रकार यह आध्यात्मिक यात्रा उज्जैन और ओंकारेश्वर के पावन स्थलों के दर्शन व मधुर स्मृतियों के साथ संपन्न होती है।

यात्रा किराया:- भोजन, चाय, नाश्ता, A/C डबल बैड होटल रूम, ओंकारेश्वर के लिए A/C ट्रांसपोर्टेशन व A/C रेल रिजर्वेशन सहित किराया ₹**9,500/-** प्रति यात्री होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹**1,001/-** प्रति यात्री 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I. बैंक खाते में या हमारी किसी भी अधिकृत बुकिंग एजेन्सी पर जमा करवा दें। शेष धनराशि प्रथम दिन दिल्ली पहुँचने पर संस्था द्वारा ली जायेगी। **नोटः** यात्री महाकालेश्वर मंदिर की विश्व प्रसिद्ध प्रातः 3 बजे होने वाली भस्मारती का भी लाभ ले सकते हैं, (भस्म आरती की अग्रिम बुकिंग की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की रहेगी)। कृपया बस यात्रा के नियम पेज नं. 18 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

बस व रेल रिजर्वेशन द्वारा यात्रा की नियम व सुविधाऐं।

1. यात्रियों के लिए यात्रा में सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी रहेगी। शाम को चाय होगी। दाल-चावल व रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइंड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनेगा। समयानुसार यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। <u>दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक-एक पानी की बोतल दी जायेगी।</u>
2. हमारी यात्रा में केवल सामान्य दवाई की ही व्यवस्था होगी। जो यात्री नियमित रूप से दवाई लेते हैं वे यात्री यात्रा प्रोग्राम के दिनो के अनुसार कृपया अपनी दवाईयां साथ में लावे। जरुरत पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मंदिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री स्वयं के खर्च से पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा। A/C बस यात्रा में A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। संक्रमक रोगी, मादक पदार्थों का सेवन करने वाले वा झगडालू यात्री को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार मैनेजर का होगा।
3. रात्रि विश्राम के लिए होटल का प्रबन्ध यात्रियों के लिए डबल बैड रूम में किया जाएगा लेकिन अगर कोई अलग से सिंगल बेड रूम लेने चाहे तो ऐसे में यात्री ₹6000 प्रति रूम अतिरिक्त भुगतान करके ले सकते है।
4. यात्री अपने साथ असली पहचान पत्र (आधारकार्ड और वोटर आई.डी.) और 1 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य साथ लावे। <u>यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।</u>

<u>यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।</u>

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा।
- संस्था द्वारा बनाई गई रेल टिकट में सीट रेलवे तय करता है। कृपया आवंटित सीट पर यात्रा का आनंद लें। बस में सीट लॉटरी के माध्यम से आवंटित की जायेगी।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में रेल लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थितियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।